Date 02/06/2020

B.Ed. 1st Year

परियोजना विधि (Project Method)

परियोजना विधि एक ऐसी विधि है जिसका प्रयोग करके लगभग सभी विषयो की शिक्षा दी जा सकती है। इस विधि के जन्मदाता है — अमेरिका के प्रसिद्ध शिक्षा शास्त्री **जॉन डीवी (John Dewey)** के योग्य शिष्य **सर विलियम किलपैट्रिक (sir william Kilpatrik)** है। उन्होने डीवी के प्रयोजनवाद से प्रभावित होकर ही इस विधि द्वारा शिक्षा के सभी अँगो को एकता के सूत्र मे बाँधकर शिक्षण को रूचिकर एवं जीवनोपयोगी बनाने का प्रयत्न किया है।

प्रोजैक्ट विधी का अर्थ एवं परिभाषाये :⇒ प्रोजैक्ट विधि या शब्द को कई शिक्षा-शास्त्रियो ने अपने अपने तरीके से परिभाषित किया है जो इस प्रकार है—

(1) "A Project is a whole-hearted Purposeful activity Proceeded in a social envionment"

(W. H. Kilpatrik)

"प्रयोजना विधि वह सहृदय तथा उद्देश्यपूर्ण प्रक्रिया है जो सामाजिक वातावरण मे अपनी पूर्णता को प्राप्त होती है।"

(किलपैट्रिक)

(2) "प्रोजैक्ट यथार्थ जीवन का ही एक भाग है जो विद्यालय मे प्रदान किया गया है।"

(बेलर्ड)

प्रोजैक्ट के प्रकार (Types of Project)

(i) Individual Project (व्यक्तिगत प्रोजैक्ट)

(ii) Social Project (सामूहिक या सामाजिक प्रोजैक्ट)

Scanned with CamScanner

(ii) **प्रोजेक्ट का चुनाव** ⇒ इस पद के अन्तर्गत अध्यापक विद्यार्थियों को परिस्थिति के चयन मे सहायता देता है। परन्तु प्रोजेक्ट चयन के बारे मे विद्यार्थी स्वंय निर्णय ले। यदि विद्यार्थी किसी गलत प्रोजेक्ट का चुनाव कर लेते है तो अध्यापक युक्ति से उनका मार्ग-दर्शन कर सकते है।

(iii) **योजना (Planning)** ⇒ चयन की प्रक्रिया के पश्चात विद्यार्थियों को परियोजना की विस्तृत योजना तैयार करनी चाहिये। योजना मे सभी विद्यार्थियों को कार्य दिया जाना चाहिये, ताकि सभी विद्यार्थी परियोजना के कार्यों मे अपना-अपना योगदान दे सके। इससे विद्यार्थियों मे सहकारिता की भावना का विकास होता है।

(iv) **कार्यान्वयन** ⇒ कार्यक्रम को निर्धारित करने के बाद सभी विद्यार्थी अपने-अपने कार्य को प्रसन्नतापूर्वक करना आरम्भ कर देते है। अर्थात वे स्वंय करके सीखते है। इसके लिये उन्हे इधर-उधर घूमकर निरीक्षण तथा परीक्षण के द्वारा बहुत सी बातो के सम्बन्ध मे तथ्यो को एकत्रित करके क्रिया करनी पडती है। आवश्यकता के अनुसार शिक्षक को निरीक्षण करते समय विद्यार्थियो को आवश्यक सहायता करनी चाहिये।

(v) **निर्णय** ⇒ परियोजना की समाप्ति पर सम्पूर्ण कार्य का मूल्यांकन किया जाना चाहिये तथा त्रुटियों को नोट किया जाना चाहिये। विद्यार्थियो को स्वंय अपनी आलोचना करनी चाहिये। विद्यार्थियो को यह देखना चाहिये कि परियोजना के उद्देश्य किस सीमा तक प्राप्त कर लिये गये है और उनमे क्या कमी रह गई है यह निर्णय करना चाहिये।

(vi) **कार्य का लेखा (Recording)** ⇒ परियोजना कार्य का सारा रिकॉर्ड विद्यार्थियो को रखना चाहिये। रिकॉर्ड परियोजना के सभी पहलुओ से सम्बन्धित रखा जाना चाहिये रिकॉर्ड मे परियोजना के लिये प्रयोग की गई पुस्तके, चार्ट मॉडल आदि भी सम्मिलित किये जाने चाहिये।

Scanned with CamScanner

(According to Kilpatrik Types of Project)

(i) Structural (रचनात्मक) ⇒ पत्र लिखना मॉडल बनाना, कार्य का भौतिकरण

(ii) Problomatic (समस्यात्मक) ⇒ बौद्धिक कठिनाईयों से सम्बन्धित

(iii) Practicatic (अभ्यासात्मक) ⇒ विशिष्ट अधिगम से सम्बन्धित

(iv) Artistic (कलात्मक) ⇒ कलात्मक तथा सौन्दर्य अनुभूति की भावना का विकास

(परियोजना विधि के सिद्धान्त)

(Principles of Project Method)

(i) प्रोजेक्ट में उद्देश्यता होनी चाहिये।

(ii) प्रोजेक्ट में स्वतन्त्रता होनी चाहिये।

(iii) प्रोजेक्ट में क्रियात्मकता होनी चाहिये

(iv) प्रोजेक्ट वास्तविकता पर आधारित होना चाहिये

(v) प्रोजेक्ट में उपयोगिता होनी चाहिये।

(vi) प्रोजेक्ट सामाजिकता पर आधारित होना चाहिये।

(Continue)

Scanned with CamScanner